02-09-2021

पूर्व निदेशकों सहित 13 शिक्षकों का सम्मान

❑ 5 सितम्बर को मॉडल कक्ष का उदघाटन करेंगे गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा

वार्ता करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य।

इनका होगा सम्मान

कानपुर। शिक्षक दिवस पर सम्मान पाने वालों में पूर्व निदेशक डा. आर.पी. निगम, डा. आर.के. वैश्य, डा. एस.के. गुप्ता, डा. राजेंद्र प्रसाद, प्रो. संदीप कुमार मित्ता, आचार्य डा. टी. के. अग्रवाल, प्रो. वीरेंद्र कुमार जैन, प्रो. एस.के. दुबे, डा. ए.एन. श्रीवास्तव, डा. एस.पी. शुक्ला, डा. पीएनपी राव और शिक्षिकाए डा. कल्पना बाजपेयी, डा. किरन सिंह आदि हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव

कानपुर, 1 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) कानपुर में आगामी पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर आजादी की 75वीं वर्षगांठ में बृहद कार्यक्रम के तहत आजादी का अमृत महोत्सव पर मुख्य अतिथि गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा व शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार द्वारा 5 पूर्व निदेशकों, 6 आचार्यों और 2 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जायेगा। सन 1930 से 2021 तक चीनी क्रान्ति (शर्करा उद्योग से जुड़े उपकरणों का मॉडल)में गवाह बने मॉडल कक्ष (मशीनरी सहित अन्य) का उदघाटन भी करेंगे। यह जानकारी एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आज पत्रकारों को दी।

निदेशक ने बताया कि पांच सितम्बर को सभागार में भारतीय शर्करा उद्योग-कल आज और कल विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा शर्करा उद्योग की उत्पादन क्षमता, शर्करा उत्पादन और सह उत्पाद की उपयोगिता सुनिश्चित करने और उनकी तकनीकी दक्षता आदि पर चर्चा होगी। निदेशक ने बताया कि विगत साल से ब्राजील में 70 से 80 लाख टन चीनी उत्पादन में कमी आई है, जोकि अब भारत के लिए दुनिया में चीनी उत्पादक देशों में शीर्ष पर पहुंचने का अवसर भी है। केंद्र सरकार की इथेनॉल पॉलिसी से चीनी मिलें लाभ की ओर अग्रसर रहेगी। वार्ता में आचार्य प्रो. डी. स्वेन, डा. जाहर सिंह आदि मौजूद रहे।

शर्करा संस्थान में धूमधाम से मनेगा शिक्षक दिवस

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि संस्थान में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित किये जा रहे शिक्षक दिवस के दौरान संस्थान में अपना योगदान देने वाले पूर्व शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वार्ता करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में योगदान देने वाले पूर्व शिक्षकों को किया जायेगा सम्मानित

प्रो. मोहन संस्थान सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व निदेशकों तथा आचार्यों के योगदान के कारण ही संस्थान शर्करा उद्योग को प्रतिस्पर्धी तकनीकी मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सक्षम हो सका है। इसके अलावा ऐसी सभी महिला शिक्षिकाओं जिन्होंने संस्थान से अपना अनुसंधान पूरा करने के बाद अन्य संस्थानों तथा महाविद्यालयों में शिक्षण का कार्य किया है, उन्हें भी सम्मानित किया जायेगा। संस्थान के शर्करा अभियांत्रिकी अनुभाग के आचार्य प्रो. डी स्वेन ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान 'भारतीय शर्करा उद्योग कल, आज और कल' विषयक सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में शर्करा उद्योग की उत्पादन क्षमता, शर्करा उत्पादन, सह उत्पाद की उपयोगिता सुनिश्चित करने और उनकी तकनीकी दक्षता आदि के आधार पर भारतीय शर्करा उद्योग के स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हुए विकास पर विचार-विमर्श किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान संस्थान के शिक्षण संकाय सदस्यों के अलावा शर्करा उद्योग से जुड़े अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किया जायेगा। प्रो. स्वेन ने कहा कि कार्यक्रम में प्रदेश गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा तथा उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री नीलिमा कटियार ने अपनी मौजूदगी की स्वीकृति प्रदान की है।

एनएसआई में दिखेगी ब्रिटिश पीरियड की शुगर इंडस्ट्री

शिक्षक दिवस पर होगा सम्मान समारोह, विचार गोष्ठी और प्रदर्शनी का भी आयोजन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (1 Sept): नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) आजादी के अमृत महोत्सव को नए तरीके से मनाने जा रहा है. यहां सारे आयोजन किसी खास दिन में होंगे, जिसकी शुरुआत शिक्षक दिवस से हो रही है. इस दिन सम्मान समारोह, विचार गोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा. यह जानकारी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी. उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में संस्थान के पूर्व के पांच निदेशकों, छह प्रोफेसर और पीएचडी करने वालीं दो शोधार्थियों को सम्मानित किया जाएगा.

फ्रांस, जर्मनी की तकनीक

गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा मुख्य अतिथि औरच्चच्च

शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. मुख्य अतिथि मॉडल कक्ष का उद्घाटन करेंगे जिसमें अंग्रेजों के जमाने में चीनी उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली तकनीक और मशीनें रखी गई हैं. प्रो. नरेंद्र मोहन के मुताबिक आजादी से पहले फ्रांस और जर्मनी की तकनीक इस्तेमाल हो रही थी. शुगर इंडस्ट्री में विकास की संभावनाओं पर एक सेमिनार भी होगा. प्रो. डी स्वैन ने बताया कि चार अक्टूबर को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है. इसमें मुख्यमंत्री बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे.

चीनी बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों का होगा प्रदर्शन

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस पर मॉडल कक्ष का उद्घाटन किया जाएगा। इसमें चीनी बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्राचीन उपकरण दिखाए जाएंगे। आजादी से अब तक चीनी उद्योग में आए बदलावों के संबंध में बताया जाएगा। साथ ही पांच पूर्व निदेशक, छह प्रोफेसर और दो पुरातन छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। चीनी उद्योग-कल, आज और कल विषय पर संगोष्ठी भी होगी।

इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत शिक्षक दिवस का आयोजन किया जाएगा। इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक डॉ. आरबी निगम, डॉ. आरके वैश्य, डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला और डॉ. संदीप कुमार मित्रा का सम्मान होगा। वहीं, इंस्टीट्यूट के पूर्व शिक्षक प्रो. पीके अग्रवाल, प्रो. वीरेंद्र कुमार जैन, प्रो. एसके दुबे, डॉ. एएन श्रीवास्तव, डॉ. एसपी शुक्ला, डॉ. पीएनआर राव का सम्मान होगा। पीएचडी की पुरातन छात्रा डॉ. कल्पना वाजपेयी और डॉ. किरन सिंह को भी सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री नीलिमा कटियार होंगी। (ब्यूरो)

एनएसआइ में दिखेगी आजादी से पहले चीनी बनाने की तकनीक

जागरण संवाददाता, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) आजादी के अमृत महोत्सव को नए तरीके से मनाने जा रहा है। यहां सारे आयोजन किसी खास दिन पर होंगे, जिसकी शुरूआत शिक्षक दिवस से हो रही है।

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन • जागरण

इस दिन सम्मान समारोह, विचार गोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह बात निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में संस्थान के पूर्व के पांच निदेशकों, छह प्रोफेसर और पीएचडी करने वालीं दो शोधार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा मुख्य अतिथि और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। मुख्य अतिथि के द्वारा माडल कक्ष का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें अंग्रेजों के जमाने में चीनी उद्योगों में इस्तेमाल हो रही तकनीक और मशीनें रखी गई हैं। प्रो. नरेंद्र मोहन के मुताबिक आजादी से पहली फ्रांस और जर्मनी की तकनीक इस्तेमाल हो रही थी। चार अक्टूबर को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

अब चीनी उद्योग के 90 सालों के इतिहास को दिखाएगा एनएसआई

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर चीनी उद्योग के 90 सालों के इतिहास को दिखाएगा। बदलती टेक्नोलॉजी, उपकरण और मशीनरी का मॉडल के रूप में प्रदर्शन होगा। इसके लिए एक मॉडल कक्ष भी बना है। यह जानकारी संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी। कहा, शिक्षक दिवस पर पांच पूर्व निदेशक, 6 शिक्षक व दो पीएचडी करने वाली महिलाएं भी सम्मानित होंगी। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री नीलिमा कटियार होंगी। वे मॉडल कक्षा का उद्घाटन करने के साथ सम्मान समारोह व सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। एनएसआई में बुधवार को प्रेसवार्ता कर प्रो. नरेंद्र मोहन ने शिक्षक दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।